प्रेरित करने के मिशन पर अग्रसर

सोनू शर्मा

इनविन्सेबल पब्लिशर्स

किताब के बारे में

मैंने सबसे मूल्यवान प्रेरणादायक कहानियाँ ढूंढ कर इकट्ठी की हैं ताकि जीवन में कामयाबी हासिल कर सकूँ| जल्दबाज़ी ना करें! सोचें, शायद कामयाबी और आपके बीच की दूरी सिर्फ एक नज़रिए की हो| यह किताब आपको आपकी रचनात्मकता और आपके अंदरूनी गुणों से एक बार फिर मिलवाने में मदद करेगी|

केवल चंद मिनट दीजिये इन महान लघु प्रेरणादायक कहानियों को जो ध्यानपूर्वक आपके लिए संग्रहित की गई हैं, ताकि आप इनसे ज्यादा से ज्यादा कामयाबी हासिल कर सकें, और साथ ही आप इनसे कोई सबक सीख सकते हैं और जीवनभर के लिए एक याद बना सकते हैं| केवल यह लघु कहानियाँ ही नहीं हैं, यह कहनियाँ आपके जीवन में एक परम निशान बना सकती हैं... मैं उन सभी का आभारी हूँ जिन्होंने यह कहानियाँ बनाईं और यह योगदान दिया जिससे आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा दिखा सकें| मैं उम्मीद करता हूँ इनसे आप बहुत कुछ सीखेंगे...

सोनू शर्मा

अभिस्वीकृति

मैं उन सभी लोगों का आभार व्यक्त करना चाहूँगा जिन्होंने इस किताब के दौरान मेरा साथ दिया; जो मेरे सहयोगी बने, मुझसे बात की, पढ़ा, लिखा और अपनी राय दी|

मैं अपने गुरूजी का इस किताब के बनने के लिए उनके अप्रतिबंधित आशीर्वाद और प्यार के लिए शुर्किया अदा करना चाहता हूँ| सबसे पहले मैं अपने परिवार का शुक्रिया करना चाहता हूँ, जिन्होंने मेरे साथ उनके समय पर कटौती होने के बावजूद मेरा साथ दिया और मुझे प्रोत्साहित किया| यह उनके लिए एक लम्बा व कठिन समय था|

मैं श्री संतोष चंद्राकर (अध्यक्ष, नासविज़ रिटेलज़) का धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने मुझे कहानियाँ चुनने में सहायता की| मेरे प्रकाशक, इनविंसिबल पब्लिशर्स का भी मुझे प्रोत्साहित करने के लिए शुक्रिया| कई कहानियाँ अलग-अलग संग्रहों से इकट्ठी की गई है, जैसे की अखबार, पत्रिकाएं, अन्य वक्ता, और 17 सालों

के सेमिनारों के दौरान मिले सहभागी; इसलिए सबका शुक्रिया अदा करना थोड़ा मुश्किल है|

आखिर में मगर तहेदिल से मैं उन सबसे माफ़ी मांगता हूँ जो इतने सालों से मेरे साथ हैं मगर जिनके नाम मैं ले नहीं पाया|

खुश रहिये

हम सब जानते हैं कि पैसे से ख़ुशी नहीं खरीदी जा सकती...मगर अक्सर हम ऐसे बर्ताव करते हैं कि अगर हमारे पास थोडा और पैसा होता तो हम ज्यादा खुश होते|

अमीर बनने की चाह हमारे अन्दर पैदा की जाती है (जबकि हम जानते हैं कि अमीर भी खुश नहीं हैं) ...

हमे ट्रेन किया जाता है उस आधुनिक गैजेट को पाने की चाह रखने के लिए या टीवी पर दिखाए उस नए स्टाइल को अपनाने के लिए...

हम ज्यादा कमाना चाहते हैं ताकि हम एक बेहतर ज़िन्दगी जी सकें|

मगर इस सब से हमे ख़ुशी नहीं मिल सकती| चाहे हम जितना कमा लें| चाहे हमारे बैंक में कितने ही पैसे आ जाएँ|

चाहे हमारे कपड़े, कार या खिलौने कितने ही अच्छे हो जाएँ, ये सब हमे ख़ुशी नहीं दे सकते|